

प्रेस विज्ञप्ति

शिवहर जिला पुलिस द्वारा पुलिस केन्द्र, शिवहर में पुलिस संस्मरण दिवस—(21 अक्टूबर) के अवसर पर शोक सलामी देकर संपूर्ण देश के शहीद पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को नमन कर श्रद्धांजलि दी गयी।

आज दिनांक—21.10.2020 को पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पुलिस केन्द्र, शिवहर में प्रातः 08:00 बजे श्री संतोष कुमार, पुलिस अधीक्षक, शिवहर के नेतृत्व में पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संपूर्ण देश के पुलिस के वीर शहीद पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शोक सलामी देकर स्मरण व नमन कर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शिवहर, श्री राकेश कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (मु0) शिवहर, श्री शशि शंकर कुमार, परिचारी प्रवर, थानाध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस केन्द्र, अंचल कार्यालय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी के द्वारा भी कर्तव्य के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को पुष्प एवं माला अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पिछले वर्ष दिनांक—01.09.2019 से 31.08.2020 तक एक वर्ष में भारत में 264 पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी। पिछले वर्ष बिहार पुलिस के भी हमारे 09 साथी वीरगति को प्राप्त हुए। पूर्व में शिवहर जिला अंतर्गत वर्ष 2005 में दो जवान हवलदार राजेन्द्र सिंह एवं सिपाही/06 उपेन्द्र प्रसाद वीरगति को प्राप्त हुए एवं वर्ष 2010 में 07 पुलिस पदाधिकारी/कर्मी—पु0अ0नि0 प्रवीण कुमार सिंह, सैप/740 उमेश कुमार, सैप/2616 सुशील कुमार सिंह, सैप/728 भरत महतो, सैप/2598 परमहंस शुक्ला, सैप/2379 जयकुमार सिंह, गृहरक्षक/250292 हरिशंकर साही विरगति को प्राप्त किये थे। सभी शहीद पदाधिकारियों/पुलिसकर्मियों को नमन व स्मरण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

आज के दिन उन सहकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिन्होंने पिछले एक वर्ष के दौरान देश में अमन—चैन, भाई—चारा एवं सामाजिक सहिष्णुता बनाये रखने के क्रम में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी। हम देशवासी इनके बलिदान के समक्ष नतमस्तक हैं तथा हम सभी इनके ऋणी रहेंगे।

आज के इस दिवस का ऐतिहासिक प्रसंग है कि आज ही के दिन वर्ष 1959 में भारत—चीन सीमा पर लदाख की बर्फीली ऊँचाई के बीच हॉट स्प्रिंग्स नामक स्थल पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक छोटी टुकड़ी पर चीनी आक्रमणकारियों ने अचानक हमला कर दिया। वहाँ देश की सीमा की रक्षा पर तैनात पुलिस के 10 (दस) बहादुर जवानों ने अंतिम साँस तक लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उसी समय अगले वर्ष के पुलिस महानिरीक्षकों के वार्षिक सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि इस दिन को पुलिस संस्मरण दिवस के रूप में मनाया जाय और तब से यह गौरवपूर्ण परम्परा नियमित रूप से निभायी जा रही है।

इस अवसर पर हम सभी पुलिसकर्मी अपने सहकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान से प्रेरण लेकर पुनः शपथ लेते हैं कि कर्तव्य की बलिवेदी पर देश की आंतरिक सुरक्षा, विधि—व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण, अमन—चैन एवं सामाजिक—साम्प्रदायिक सौहार्द तथा देश की एकता एवं अखंडता के लिए सदैव सर्वोच्च बलिदान देने के लिए तत्पर रहकर आम—आवाम की हिफाजत करेंगे।

आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

शिवहर पुलिस।







